साइबर खतरों का सामना करने वाले भारतीय युवाओं की आत्महत्या दर में कमी लाने के लिए AUCL ने WHT NOW के साथ साझेदारी की

मुंबई। देश में कॉर्पोरेट एवं कानूनी सलाह के क्षेत्र की अग्रणी संस्था के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले, AU कॉर्पोरेट एडवाइजरी एंड लीगल सर्विसेज (AUCL) ने भारत में साइबर-बुलीइंग के खतरे का सामना कर रहे हर व्यक्ति की अनमोल जिंदगी बचाने और उसकी हिफाजत करने के लिए एक नई पहल की शुरुआत की है। AUCL ने नई राह दिखाने वाली इस पहल के लिए, आज साइबर उत्पीड़न और साइबर-बुलीइंग के खिलाफ युवाओं की आवाज - WHT NOW के साथ साझेदारी की घोषणा की है। इस अवसर पर AUCLके संस्थापक अक्षत खेतान, एक जानी-मानी रेस्टोरेंट व्यवसायी और समाजसेवी नीति गोयल और शिक्षा जगत की मशहूर हस्ती और WHT NOW की सह-संस्थापक डॉ. निवेदिता श्रेयांस ने साइबर खतरों के जागरूकता के बारे में जानकारी दी।

आज के डिजिटल जमाने में टेक्नोलॉजी में हो रही प्रगति के साथ लोगों के बीच आपसी संपर्क, बातचीत करने और जानकारी साझा करने के तरीके में बड़े पैमाने पर बदलाव आया है। हालाँकि, टेक्नोलॉजी में इस जबरदस्त प्रगति ने साइबर-बुलीइंग, साइबर अपराध और साइबर उत्पीड़न जैसी नई चुनौतियों के लिए भी दरवाजे खोल दिए हैं, जो भारत के साथ-साथ दुनिया भर में एक बड़ी सामाजिक चुनौती के तौर पर उभरकर सामने आ रहे हैं। भारत जैसे देश में ये समस्याएँ विशेष रूप से गंभीर हैं, जहाँ इंटरनेट के उपयोग में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। परंतु सामने आने वाले ऑनलाइन ख़तरों की तुलना में इसे नियमों के दायरे में लाने वाली व्यवस्था और जागरूकता काफी पीछे है।

इस मौके पर, AU कॉर्पोरेट एडवाइजरी एंड लीगल सर्विसेज (AUCL) के संस्थापक अक्षत खेतान ने कहा, भारत धीरे-धीरे डिजिटल रूप से सशक्त समाज बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, इसलिए साइबर-बुलीइंग, साइबर अपराध और साइबर उत्पीड़न की वजह से सामने आने वाले ख़तरों की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। नीति निर्माताओं, शिक्षकों, कानून लागू करने वाली संस्थाओं और आम लोगों को इन समस्याओं पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। भारत इस मुद्दे के सभी पहलुओं को शामिल करने वाला कानूनी ढांचा तैयार करके, लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाकर और कानून लागू करने वाली संस्थाओं को मजबूत करके इन ऑनलाइन खतरों के हानिकारक प्रभावों को कम करने की शुरुआत कर सकता है, साथ ही यह सुनिश्चित कर सकता है कि इंटरनेट अपने सभी उपयोगकर्ताओं के लिए पूरी तरह सुरक्षित बना रहे।